

PRESS RELEASE

SECOND DESTROYER OF P15B CLASS 'MORMUGAO' DELIVERED TO INDIAN NAVY

Mazagon Dock Shipbuilders Limited (MDL) has delivered Second Ship of Project 15B Class Guided Missile Destroyer i.e. Yard 12705 (Mormugao) to the Indian Navy. The Acceptance Document was signed by VAdm Narayan Prasad, AVSM, NM, IN (Retd) Chairman & Managing Director, MDL and RAdm C Raghuram, VSM, CSO (Tech) at MDL in the presence of Commanding Officer (Designate) Capt Kapil Bhatia, MDL Directors and Navy personnel today.

The ship is constructed using Indigenous Steel DMR 249A and is amongst the largest Destroyers constructed in India, with an overall length of 164 meters and a displacement of over 7500 tons. The ship is a potent platform capable of undertaking a variety of tasks and missions, spanning the full spectrum of maritime warfare. It is armed with supersonic Surface-to-Surface 'Brahmos' missiles and 'Barak-8' Long Range Surface to Air Missiles. Towards undersea warfare capability the Destroyer is fitted with indigenously developed anti-submarine weapons and sensors, prominently the Hull mounted Sonar Humsa NG, Heavy weight Torpedo Tube Launchers and ASW Rocket Launchers.

Significantly more versatile than the previous classes of Destroyer and Frigates in Naval inventory, the Mormugao's all round capability against enemy submarines, surface warships, anti-ship missiles and fighter aircraft will enable it to operate independently without supporting vessels, and also to function as the flagship of a Naval task force.

The ship can accommodate a crew of 312 persons, has an endurance of 4000 Nautical Mile and can carry out a typical 42 days mission with extended mission time in out of area operation. The ship is equipped with two helicopters onboard to further extend its reach. The ship is propelled by a powerful Combined Gas and Gas Propulsion Plant (COGAG), consisting of four reversible Gas Turbines, which enables her to achieve a speed of over 30 knots (approx 55 Kmph). The Ship Boasts of a very high level of automation with sophisticated digital networks such as Gigabyte Ethernet based Ship Data Network (GESDN), Combat Management System (CMS), Automatic

Power Management System (APMS) and Integrated Platform Management System (IPMS).

The indigenous content in P15B Class Destroyers is 72% which is a notch above their predecessors P15A (59%) and P15 (42%) Class Destroyers, reaffirming the Government's focus in 'Make in India' Programme.

The first Ship of P15B (Visakhapatnam) was commissioned last year on 21 Nov 2021. The third ship (Imphal) was launched on 20 Apr 2019 and is at an advance stage of outfitting the fourth ship (Surat) was launched on 17 May 2022.

MDL has always been at the forefront of the nation's progressive indigenous warship and submarine building programme. With the construction of the Leander and Godavari class Frigates, Khukri class Corvettes, Missile Boats, Delhi and Kolkata class Destroyers, Shivalik class Stealth Frigates, the SSK submarines and four in number Scorpene submarine under its belt, the history of modern day MDL almost maps the history of indigenous warship and submarine building in India there by deservedly earning the sobriquet 'Warship and Submarine Builders to the Nation'.

एमडीएल ने परियोजना 15बी श्रेणी के द्वितीय विध्वंसक 'मुरमोगाओ' को भारतीय नौसेना को सुपुर्द किया

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने भारतीय नौसेना को परियोजना 15बी श्रेणी के द्वितीय पोत विध्वंसक यानी यार्ड 12705 (मोरमुगाओ) को सुपुर्द किया। स्वीकृति दस्तावेज़ पर वाईस एडमिरल नारायण प्रसाद, एवीएसएम, एनएम, भानौ (नि), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एमडीएल और रियर एडमिरल सी रघुराम, वीएसएम, सीएसओ (टेक) ने एमडीएल में कमांडिंग अधिकारी (डेसीगनेट), कैप्टेन कपित भाटिया, एमडीएल निदेशकगण और नौसेना कार्मिकों के उपस्थिति में आज हस्ताक्षर किया गया।

पोत का निर्माण स्वदेशी इस्पात (स्टील) डीएमआर 249ए से किया गया और यह भारत के सबसे बड़े विध्वंसकों में एक है जिसकी कुल लंबाई 164 मीटर है और विस्थापन क्षमता 75000 टन से अधिक की है। जहाज एक शक्तिशाली मंच है जो समुद्री युद्ध के पूर्ण स्पेक्ट्रम में फैले विभिन्न प्रकार के कार्यों और मिशनों को पूरा करने में सक्षम है। यह सरफेस टू सरफेस सुपरसोनिक 'ब्रह्मोस' मिसाइल और लॉन्ग रेंज सरफेस टू एयर 'बराक-8' मिसाइल से लैस है। पानी के अंदर युद्ध करने के लिए विध्वंसक में स्वदेशी रूप से विकसित एंटी-सबमैरिन वेपन और सेंसर, मुख्य रूप से हल माउन्टेड सोनार हुमसा एनजी, हेवी वेट टॉरपीडो ट्यूब लॉन्चर और रॉकेट लॉन्चर फीट किया गया है।

नौसेना सूची में पहले विध्वंसक और पोतों की तुलना में यह और अधिक बहुमुखी, दुश्मन पनडुब्बियों, सरफेस युद्धपोतों, एंटी-शिप-मिसाइलों और लड़ाकू विमानों के विरुद्ध मोरमुगाओ की चौतरफा क्षमता इसे सहायक जहाजों की झुंड के बिना संचालित करने में और साथ ही साथ नौसेना टास्क फोर्स के फ्लैगशिप के रूप में कार्य करने हेतु सक्षम बनाएगी।

पोत 312 लोगों की कू को समायोजित कर सकता है, 4000 समुद्री मील की क्षमता रखता है और यह 42 दिनों में विस्तारित मिशन के आउट ऑफ एरिया ऑपरेशन को पूरा कर सकता है। अपनी क्षमता को और अधिक बढ़ाने के लिए पोत दो हेलिकॉप्टर से लैस हैं। जहाज को एक शक्तिशाली संयुक्त गैस और गैस प्रोपलशन प्लांट (सीओजीएजी) द्वारा संचालित किया जाता है, जिसमें चार रिवर्सिबल गैस टर्बाइन होते हैं, जो उसे 30 समुद्री मील (लगभग 55 किमी प्रति घंटे) से अधिक की गति प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। गीगाबाइट ईथरनेट आधारित शिप डेटा नेटवर्क (जीईएसडीएन), कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस), ऑटोमैटिक पावर मैनेजमेंट सिस्टम (एपीएमएस) और इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस) जैसे परिष्कृत डिजिटल नेटवर्क के साथ जहाज उच्च स्तर के स्वचालन का दावा करता है।

पी15बी श्रेणी विध्वंसक में 72% स्वदेशी सामग्री है जो उनके पूर्ववर्ती पी15ए (59%) और पी15 (42%) श्रेणी विध्वंसक से एक नॉच ऊपर है, जो सरकार के मेक इन इंडिया कार्यक्रम में लक्ष्य की पुष्टि करता है।

पी15बी (विशाखापत्तनम) का पहला जहाज पिछले वर्ष 21 नवंबर 2021 को कमीशन किया गया था। तीसरा जहाज (इम्फाल) 20 अप्रैल 2019 को लॉन्च किया गया था और चौथे जहाज (सूरत) को 17 मई 2022 को लॉन्च किया गया था।

एमडीएल हमेशा देश के प्रगतिशील स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माण कार्यक्रम में अग्रणी रहा है। लिएंडर और गोदावरी श्रेणी पोत, खुखरी श्रेणी कॉर्वेट्स, मिसाइल बोट्स, दिल्ली और कोलकाता श्रेणी विध्वंसक, शिवालिक श्रेणी स्टील्थ फ्रिगेट्स, एसएसके पनडुब्बियों और इसके बेल्ट के अंतर्गत चार स्कॉर्पीन पनडुब्बी के निर्माण के साथ, आधुनिक समय के एमडीएल का इतिहास भारत में स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माण का इतिहास प्रस्तुत करता है जहां इसने सही मायने में 'राष्ट्र के युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माता' की उपाधि अर्जित किया है।



